

जमीन विवाद में सौतेले भाइयों ने ली भाई की जान सहिंवगंज। जमीनी विवाद में हुए खूबी जग में सौतेले भाइयों ने अपने ही एक भई को मार डाला। मारपीट में पांच लोग घायल हो गये। एक को गंभीर हालत में भागलपुर रेफर कर दिया गया है। ये हालसा मुफरिसल थाना क्षेत्र के हाजीपुर दियारा पश्चिम का है।

मासम स्कूली बच्चे से गंदी हरकत, वैन चालक धारया
रांची। चार साल के मासम बच्चे के साथ गंदी हरकत के आरोप में पुलिस ने वैन चालक को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार रांची के एक लो स्कूल में पढ़ने वाले 4 वर्षीय मासम के साथ वैन चालक ने गंदी हरकत की। जानकारी होते ही परिजनों ने बीआईटी आपी में शिकायत की दर्ज करायी। पुलिस ने 3 घंटे के अंदर उसे धर दबावा।



राहुल के खिलाफ धारा 109 में शिकायत दर्ज, कांग्रेस ने भी दर्ज कराया मामला

संसद परिसर में धक्का मुक्की, दो सांसद धायल

राहुल ने कहा- भाजपा सांसदों ने मुझे धमकाया, सियासत गरमायी

एजेंसी

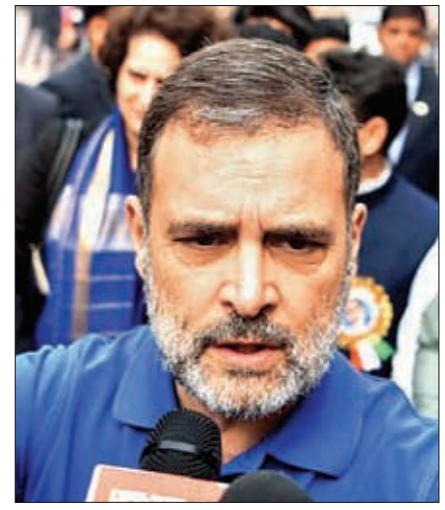
नवी दिल्ली। सर्विधान पर चाचा के दौरान सत्ता पक्ष और विषय के बीच सिर फुटव्हल होने की नैवेत आ गयी। धक्का-मुक्की की घटना को लेकर सत्ता पक्ष और विषय की ओर से दावे और बयानबाजी जारी है।



नवी चल सकी संसद के दोनों सदनों की कार्रवाई

राहुल गांधी ने कहा कि जब वह संसद में जा रहे थे, तो कुछ भाजपा सांसदों ने मैन गेट पर उहें रोकने की कोशिश की और उहें पर अभद्र व्यवहार का आरोप लगाया। इसके बाद धक्का-मुक्की हुई। कांग्रेस ने भी भाजपा की एक महिला संसद ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया।

भाजपा ने इस मामले में राहुल गांधी के खिलाफ हत्या के प्रयास की धारा 109 में शिकायत दर्ज करायी। वहाँ इस मामले में मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए



(शेष पेज 11 पर)

घाटी में हिजबुल कमांडर समेत 5 आतंकवादी ढेर

एजेंसी

जीवनगर। जम्मू-कश्मीर के मुठभेड़ में पांच आतंकवादी मारे गये। गोलीबारी में दो सैनिक घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मारे गये आतंकवादियों को सुशक्ष बलों ने मार गिराया। अधिकारियों ने मुताबिक आतंकवादियों की मौजूदी की खुफिया सूचना के आधार पर सुशक्ष बलों और पुलिस ने कुलगाम के कादां इलाके में आज सुबह संयुक्त अभियान छेड़ा। इसी दौरान आतंकवादियों ने अंधाधुध गोलीबारी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में सुशक्ष बलों ने भी गोलियां चलाई। दोनों पक्षों के बीच करीब दो घंटे तक चली

चैपियंस ट्रॉफी : भारत-पाक में सहमति, गतिरोध खत्म

दुबई। भारत और पाकिस्तान के बीच 2024 से 2027 तक चैपियंस ट्रॉफी और आईसीसी स्पर्धाओं के लिए हाइब्रिड मॉडल पर सहमति बन गयी। अंतरराष्ट्रीय किंकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि चैपियंस ट्रॉफी 2025 के गतिरोध को समाप्त हो गया है और भारत और पाकिस्तान ने हाइब्रिड मॉडल पर सहमति व्यक्त की है। दोनों पक्षों में हुए समझौते के तहत आठ टीमों की चैपियंस ट्रॉफी स्पर्धा में भारत के बैच तटस्थ स्थल पर खेले जायेंगे। इसके बदले में भारत में आयोजित होने वाली आईसीसी स्पर्धाओं में भारत के साथ पाकिस्तान के बैच भी तटस्थ स्थल पर होंगे।

क्या आपका बैंक खाता निष्क्रिय हो गया है?



बैंक से सम्पर्क करें

बैंक खाता सक्रिय करने के लिए अपना केवाईसी अपडेट करवाएँ।

- » दो वर्षों से अधिक समय से बैंक खाते में लेनदेन न होने पर वो निष्क्रिय हो जाता है।
- » अपने बैंक की किसी भी शाखा में जाकर या वीडियो केवाईसी के द्वारा अपना केवाईसी अपडेट करवाएँ।

आरबीआई कहता है...
जानकार बनाए, सतर्क रहिए!

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in



अधिक जानकारी के लिए, 14440 पर मिस्ट कॉल दें या <https://rbikehtahai.rbi.org.in/ia> पर जाएं
फ़िडबैक देने के लिए, rbikehtahai@rbi.org.in को लिखें



स्कूल स्कोर कार्ड एवं सर्टिफिकेशन के लिए 23 और 24 दिसंबर को होगा राज्यरत्नरीय निरीक्षण स्कूल स्कोर कार्ड के प्रमाणीकरण का कार्य पूरी ईमानदारी, निष्पक्षता एवं शुद्धता से करें : सचिव

● प्रत्येक जिले में
निरीक्षण के लिए 13
स्कूल मैनेजर्स एवं सर्ज्य
शिक्षा परियोजना
पदाधिकारियों की 24
सदस्यीय टीम बनाई
गयी है



खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। ज्ञारखंड सरकार के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के तत्वावधान में राज्य में संचालित सभी 80 सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेस और 325 प्रखंडस्तरीय आदर्श विद्यालयों के निरंतर विकास हेतु स्कूल कार्ड बनाया जा रहा है। इसके अंतर्गत पहले विद्यालय स्तर पर लेवल 1 में और फिर जिलास्तर पर लेवल 2 में विद्यालयों का 9 मापदंडों में

रांची जिले के 102 केंद्रों पर मैट्रिक और 57 पर होगी इंटरमीडिएट की परीक्षाएं

रांची। स्टेट बोर्ड की ओर से आयोजित माध्यमिक (मैट्रिक) व इंटरमीडिएट परीक्षा-2025 के लिए प्रीरीक्षा केंद्र के बायन को लेकर डीसी मंजूजाला भजत्री ने गुरुवार को समिति की बैठक की। अनुमंडल शिक्षा पदाधिकारी रांची तृष्णा कुमारी, अध्यक्ष जिला मदरसा संघ, अध्यक्ष रांची जिला इंटरमीडिएट शिक्षक संघ, अध्यक्ष रांची जिला संस्कृत विषयक संघ एवं सामूहित पदाधिकारी उपरिक्षित थे। डीसी ने माध्यमिक व इंटरमीडिएट परीक्षा-2025 के लिए निर्धारित केंद्रों की प्रखंडवार एवं अनुमंडलवार समीक्षा की। माध्यमिक परीक्षा-2025 के लिए 102 परीक्षा केंद्र बनाये हैं, जिनके 314 स्कूलों के 3813 अनु परीक्षा केंद्र बनाये हैं जो प्रखंडवार एवं अनुमंडलवार समीक्षा की। माध्यमिक परीक्षा-2025 के लिए प्रखंडवार एवं अनुमंडलवार 57 परीक्षा केंद्र बनाये हैं। इनके लिए इंटरमीडिएट परीक्षा-2025 के लिए अनुमंडलवार समानित किया गया है। जो 115 स्कूलों के 42121 छात्र इंटरमीडिएट की परीक्षा देंगे। फैटर फाईल : आर्ट्स के छात्रों की संख्या - 27146, कॉर्स के छात्रों की संख्या - 5836, विज्ञान के छात्रों की संख्या - 9139.

संत जेवियर्स कॉलेज में शोध नैतिकता पर कार्यशाला आयोजित



खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। संत जेवियर्स कॉलेज में गुरुवार को कॉलेज के फादर प्रूट द्वारा में टॉपटटडन सॉस्ट्रेचर और आईसीयूसी के सहयोग से शोध नैतिकता विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई।

महाधर्मप्रांतीय युवा संघ ने किया कंबल वितरित



खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। महाधर्मप्रांतीय युवा संघ की ओर से रांची महाधर्मप्रांत के मुख्य मिशन स्टेन में 97 परिवारों को क्रिसमस के आगमन को लेकर कम्बल वितरण किया गया। यह

अपने-अपने केंद्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सम्मानित किया गया। पुलिस पब्लिक रिपोर्टर का बिदाया मुंडा दर्तन समाप्ति



खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। पुलिस पब्लिक रिपोर्टर द्वारा विरासा मुंडा रत्न समान समारोह का आयोजन गुरुवार को किया गया। मौके पर ज्ञारखंड के विभिन्न

मिलन मंडल ने अपने संबोधन में टॉपटटडन के बारे में बताया कि शोध के लिए व्यापक रूप से उपयोग किया जाने वाला कालाउड-आधारित सॉफ्टवेयर है जो साहित्यिक चोरी का पता लगाने और उसे रोकने में मदद करने के लिए डिजाइन किया गया है।

पौके पर कॉलेज के डीएसडब्ल्यू डॉ. एन. लकड़ा, एसजे सिन्धा, आईसीयूसी कोऑर्डिनेटर डॉ. शिव कुमार, डॉ. आर. आर. शीराजस तिक्का, डॉ. संदीप चंद्रा सहित कालेज के अन्य परायाकरण व शोधार्थी उपरिक्षित थे।

ज्ञारखंड के छात्रों ने एफएमआई इंटरनेशनल एजेंसी के बैठक में अपनी सिक्स रेड्स में अनुज को हराया।

युवाओं के आपसी सहयोग से किया गया। इस मौके पर युवा निदेशक फादर सुमित खलखो, फादर विपिन, धर्मप्रांत के कार्डिनेशन ऑफ मुस्लिम्स ऑफ इंडियन (एएफएमआई) जो अमेरिका और कनाडा स्थित एक प्रतिष्ठित

सामाजिक संस्था है, हर वर्ष देशभर के अल्पसंख्यक छात्रों के शैक्षणिक उत्कृष्टता को सम्मानित करती है।

इस वर्ष भी 34वा इंटरनेशनल एजेंशनेशनल केर्नेशन एंड ग्लोबल अवार्ड समारोह में ज्ञारखंड के आठ मेधावी छात्रों का चयन किया गया।

जिसमें समान प्राप्त कर रखे तोगों को संस्कृतिके कार्यक्रम प्रस्तुत

कर की गयी।

मौके पर पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय, रांची के पूर्व विद्यार्थी संघी सिंह, गंधी विद्यार्थी के पूर्व डिप्टी प्रमोटर अंजय नाथ शर्मादेव, पदाधिकारी सुभद्रा शर्मा, रामेश देव, जिला विधायक विषय की अवार्ड देकर समानित किया गया।

जिसमें समान प्राप्त कर रखे तोगों को संस्कृतिके कार्यक्रम प्रस्तुत

कर की गयी।

मौके पर युवा निदेशक फादर सुमित खलखो, फादर विपिन, धर्मप्रांत के कार्डिनेशन ऑफ मुस्लिम्स ऑफ इंडियन (एएफएमआई) जो अमेरिका और कनाडा स्थित एक प्रतिष्ठित

सामाजिक संस्था है, हर वर्ष देशभर के अल्पसंख्यक छात्रों के शैक्षणिक

उत्कृष्टता को सम्मानित करती है।

इस वर्ष भी 34वा इंटरनेशनल एजेंशनेशनल केर्नेशन एंड ग्लोबल अवार्ड समारोह में ज्ञारखंड के आठ मेधावी छात्रों का चयन किया गया।

जिसमें समान प्राप्त कर रखे तोगों को संस्कृतिके कार्यक्रम प्रस्तुत

कर की गयी।

मौके पर पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध

कांत सहाय, रांची के पूर्व विद्यार्थी संघी

सिंह, गंधी विद्यार्थी के पूर्व डिप्टी

प्रमोटर अंजय नाथ शर्मा देव, जिला विधायक विषय की अवार्ड देकर समानित किया गया।

जिसमें समान प्राप्त कर रखे तोगों को संस्कृतिके कार्यक्रम प्रस्तुत

कर की गयी।

मौके पर पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध

कांत सहाय, रांची के पूर्व विद्यार्थी संघी

सिंह, गंधी विद्यार्थी के पूर्व डिप्टी

प्रमोटर अंजय नाथ शर्मा देव, जिला विधायक विषय की अवार्ड देकर समानित किया गया।

जिसमें समान प्राप्त कर रखे तोगों को संस्कृतिके कार्यक्रम प्रस्तुत

कर की गयी।

मौके पर पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध

कांत सहाय, रांची के पूर्व विद्यार्थी संघी

सिंह, गंधी विद्यार्थी के पूर्व डिप्टी

प्रमोटर अंजय नाथ शर्मा देव, जिला विधायक विषय की अवार्ड देकर समानित किया गया।

जिसमें समान प्राप्त कर रखे तोगों को संस्कृतिके कार्यक्रम प्रस्तुत

कर की गयी।

मौके पर पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध

कांत सहाय, रांची के पूर्व विद्यार्थी संघी

सिंह, गंधी विद्यार्थी के पूर्व डिप्टी

प्रमोटर अंजय नाथ शर्मा देव, जिला विधायक विषय की अवार्ड देकर समानित किया गया।

जिसमें समान प्राप्त कर रखे तोगों को संस्कृतिके कार्यक्रम प्रस्तुत

कर की गयी।

मौके पर पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध

कांत सहाय, रांची के पूर्व विद्यार्थी संघी

सिंह, गंधी विद्यार्थी के पूर्व डिप्टी

प्रमोटर अंजय नाथ शर्मा देव, जिला विधायक विषय की अवार्ड देकर समानित किया गया।

जिसमें समान प्राप्त कर रखे तोगों को संस्कृतिके कार्यक्रम प्रस्तुत

कर की गयी।

मौके पर पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध

कांत सहाय, रांची के पूर्व विद्यार्थी संघी

सिंह, गंधी विद्यार्थी के पूर्व डिप्टी

महाकुंभ का आध्यात्मिक, वैज्ञानिक व आर्थिक महत्व

पंकज जगन्नाथ

आधुनिकता की उन्नति की विशेषता वाली दुनिया में, कुछ ही अयोजन ऐसे होते हैं जो लोगों को अपने से बड़े उद्देश्य की खोज में एकजुट करने की क्षमतारखत हैं। महाकुंभ मेला, 12 वर्षों की अवधि में चार बार होने वाला एक श्रद्धेय मेला, इस उद्देश का उदाहरण है कुंभ मेला, दुनिया भर में सबसे बड़ा शांतिपूर्ण सम्मेलन है, जिसमें लाखों की अर्थात् आते हैं जो अपने पापों को शुद्ध करने और आध्यात्मिक मुक्ति प्राप्त करते हैं, तो वह सूर्य और चंद्र के मकर राशि में प्रवेश के साथ मेला खाता है। ये से 26 फरवरी तक प्रयागराज की अपनी वात्रा की तैयारी करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप प्रयागराज के श्रृंखला में भाग लेंगे और एक ऐसी वात्रा पर निकलेंगे जो भौतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक समांगों को पर करती है। बस उस पवित्र स्थल पर होना और गंगा में पवित्र डुबकी लाना आध्यात्मिक रूप से अत्यक्षं ग्रहों की रिश्टिक का उपयोग करते हैं। जब बृहस्पति ग्रह ज्योतिर्योग राशि वृषभ में प्रवेश करता है, तो वह कुंभ मेला आधुनिकता के समान भी है, जो दुनिया भर में लोगों अनुष्ठान और अकृतिकरण करता है।

इन अनुष्ठानों का उद्देश्य

किसी व्यक्ति को आध्यात्मिक मार्ग पर ले जाना है जहाँ वे पूर्ण मनोवैज्ञानिक संतुलन, नवीकरण और विश्राम प्राप्त कर सकें। महाकुंभ मेले के कुछ वैज्ञानिक तत्व इस प्रकार हैं:



दाहिने हाथ को उठा कर रखते हैं राधे पुरी बाबा, 14 साल से कर रहे

परिवर्तन जल और वायु को प्रभावित करते हैं, जिसके

परिणामस्वरूप प्रयागराज के

पवित्र स्थल तरह से क

सकारात्मक वातावरण बनता है।

भौतिक, सांस्कृतिक और

आध्यात्मिक समांगों को पर

करती है हर हिंदू उत्सव और

अनुष्ठान के पीछे शाश्वती आधार

होता है। उन्हें जोश और उत्साह

के साथ-साथ एक ठोस

वैज्ञानिक, ऐतिहासिक और

दर्शनीय आधार के साथ

समानित किया जाता है ये सभी

विशेषताएँ प्रतिक्रिया करते हैं।

नदी संगम: यह आयोजन करते हैं।

संगम पर होता है जहाँ योगी चक्र

में विशेष अवधियों में अद्वितीय

शक्तियाँ कार्य करती हैं। जल:

इस वृत्ति, राधे पुरी बाबा

माना जाता है कि यह आयोजन

करार्यण का केंद्र बने हुए हैं।

उत्तर प्रदेश के विशेष अवधियों में होते हैं।

कुंभ मेले का इतिहास हजारों साल पुराना

है, जिसका आरंभिक उल्लेख मीर्यां और

गुप्त काल (चौथी शताब्दी ई.प.) से मिलता है।

प्रारंभिक मेले, हालांकि वर्तमान कुंभ मेले

जितनी बड़ी नहीं थीं, लेकिन भारतीय

उपमहाद्वीप के सभी हिस्सों से तीर्थयात्रियों

को आकर्षित करती थीं। हिंदुत्व के उदय

के साथ मेले का महत्व बढ़ गया, गुप्त

जैसे सम्राटों ने इसे प्रतिष्ठित धार्मिक

सभा का दर्जा दिया। मध्यकाल के दौरान

कुंभ मेले को कई शारीर राजवंशों

द्वारा समर्थन दिया गया था, विशेष रूप से चोल

और विजयनगर साम्राज्यों द्वारा। उन्नीसवीं

सदी हाईटक उपराहर

प्रयागराज महाकुंभ के

आयोजन से पहले ही नगर में

देश-विदेश से साधु संत अपना

आत्मा को प्रबूद्ध कर सकता है,

जिससे शारीरिक और मानसिक

तनाव कम हो सकता है।

ज्योतिष: यह उत्सव तब होता है

जब सूर्य, चंद्रमा और बृहस्पति

कुहने संयोगों में होते हैं।

नदी संगम: यह आयोजन करते हैं।

संगम पर होता है जहाँ योगी चक्र

में विशेष अवधियों में अद्वितीय

शक्तियाँ कार्य करती हैं। जल:

इस वृत्ति, राधे पुरी बाबा

माना जाता है कि यह आयोजन

करार्यण का केंद्र बने हुए हैं।

उत्तर प्रदेश के विशेष अवधियों में होते हैं।

कुंभ मेले का इतिहास हजारों साल पुराना

है, जिसका आरंभिक उल्लेख मीर्यां और

गुप्त काल (चौथी शताब्दी ई.प.) से मिलता है।

प्रारंभिक मेले, हालांकि वर्तमान कुंभ मेले

जितनी बड़ी नहीं थीं, लेकिन भारतीय

उपमहाद्वीप के सभी हिस्सों से तीर्थयात्रियों

को आकर्षित करती थीं। हिंदुत्व के उदय

के साथ मेले का महत्व बढ़ गया, गुप्त

जैसे सम्राटों ने इसे प्रतिष्ठित धार्मिक

सभा का दर्जा दिया। मध्यकाल के दौरान

कुंभ मेले को कई शारीर राजवंशों

द्वारा समर्थन दिया गया था, विशेष रूप से चोल

और विजयनगर साम्राज्यों द्वारा। उन्नीसवीं

सदी हाईटक उपराहर



उत्तर प्रदेश के रहने वाले राधे पुरी बाबा

बड़े हो गए हैं।

जूना अखाड़े के

महामंडलेश्वर सोम गिरी उर्फ

पायलट बाबा की जापानी

शिष्या योग माता और

महामंडलेश्वर के कोई का

कहना होता है। दरअसल, बाबा ने

तकरीबन 14 साल अपना हाथ

उठा कर रखा है।

इसे क्रिया को हठ योग

कहा जाता है। साल 2011 से

उठाने एसा करना शुरू किया

है। राधे पुरी बाबा अपने

दाहिने हाथ को उठा कर रखते

हैं। इस वजह से उनका हाथ

पुरी तरह से सुन् पड़ गया है

और नाखून भी काफी बड़े-

हैं।

मुख्यमंत्री को सलाह देने

वाले पूर्व आईएस अधिकारी

अवनीश अवनीशी ने अनुभान

लगाया कि यह प्रत्येक तीर्थयात्री

में संलग्न होने और प्रत्येक

दूसरा वर्ष जीवन के लिए एक आदर्श

वातावरण बनाता है।

यह आयोजन का अधिकारी

प्रतिवेदन के लिए एक आदर्श

वातावरण बनाता है।

यह आयोजन का अधिकारी

प्रतिवेदन के लिए एक आदर्श

वातावरण बनाता है।

यह आयोजन का अधिकारी</

